

सिविल सर्विस, बैंक पी.ओ., रेलवे, टी.ई.टी., स्कूल व कॉलेज के छात्र-छात्राओं एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों के लिए विशेषतः उपयोगी

अ - देवनागरी और संस्कृत कुटुंब की अन्य वर्णमालाओं का पहला अक्षर और स्वर वर्ण है। इसका उच्चारण इतना बड़ा है। व्यंजन वर्णों का उच्चारण 'अ' वर्ण की सहायता के बिना नहीं हो सकता। वर्णों का उच्चारण 'अ' वर्ण की सहायता के बिना नहीं हो सकता और लिख जाते हैं। इसलिए का तौर पर 'अ' का प्रयोग करने से यह गड़बड़, उलटा प्रयुक्त होते हैं। दुर्भाग्यवश - स्वस्थ-अस्वस्थ स्वस्थ-पूर्व 'अ' वर्णों का प्रयोग अर्थ उलटा हो जाता है।

अंक-1. मंज्या, नंदर, आंकड़ा; 2. निजान,
विन्ह, छाप; 3. मोड़, अंकवार, आंक;
4. दाग, धब्बा।

अंकन-अनुगठन, प्रत्यक्ष, अनुगठन,
गैरानुगठन, अक्षय बनाना, स्वाक

अंकन-अनुगठन, प्रत्यक्ष, अनुगठन,
गैरानुगठन, अक्षय बनाना, स्वाक

अक्रान्त-मृत्याकन, अक्रान्त, अक्रान्त व
क्रिया।

किया।
 अँकुर-अँखुआ, जोख, कोपल, कति
 नाक, प्रगेख, कनखा, भगव, उपरोप
 किमुतव, नवपल्लव।

अंकुश-1. दयाव, राक, प्रंकुशी, मजी
2. शर्षा को निर्वृत्त करने की
" निर्वृत्त करने या गंकने का न

अंग-1. भाग, अवयव, हिस्सा, संघटक, उपोद्धान; २. अंश, खंड, टुकड़ा, टुकड़ों में बँटा हुआ, गान्ध, गात्र

अंग-१. घटक, उपादान; २. अंश, छेद,
३. शरीर, तन, देह, गान, गात्र
अंग-१. लङ्का, मत्त,
आत्मन्, तन्त्र, तन्त्र, तन्त्र

अंगूठा-1. आसन्न, तनुज, तनुय, नन्दन
पुत्रः २. राम, केश, बाल
अंगूठा-द्विती, लड़की, सुता,
तनुय, नन्दनी, दुहित

अंगड़ा-वेदी, लड़की, लुगा,
नन्दा, तनया, नंदीनी, दुर्दिना
अंगड़ाई-आलस्य दृष्ट करने के
का खींचना, मांझना, चेतना
करना

अंगद-१. वायुवंश, भुजवंश
तारिख

अंगना-कामिनी, यामा, मंदरी, समूची ।
अंग-मंग करना-अंग करना, विकल
करना, अंगहीन करना, बाध-पैर क

कृपा, अंगहीन करना, बाध-धर के
देना; २. मोहित करने के निमित्त,
की कटाई क्रिया।

अंगार-विनगरी, अंगार, दूकना
कोयला, पैंआरडिन कोयला।
अंगिया-खल-म्यल को देकन के लिए।
अंगार-खल-म्यल को देकन के लिए।

अंगिया—यह म्याल को देकरन के लिये
दाग प्रमुखतः जन्तुवश, वीरिभ,
कुन्नी, कुन्नी।
अंगी—१. मुख्य, प्रमुख, प्रभावशाली;

अंगी-१. मुख्य, प्रमुख, प्रभावकारी;
प्रमुख भाव।
अंगीकरण-स्वीकार, स्वीकारोक्ति
स्वीकृति, कबूल करना,

अंगीकण-स्वीकार, स्वीकृति, कबूल करना, मंजूर।
अंगीदी-पतन व क्षय का प्रारंभ।

अंगूठी-पतन

अंगूठी

पत्नी ।



संक्षिप्त

पर्यायवाची शब्दकोश

लोक सेवा आयोग, राज्य सेवा आयोग, रेलवे, टी.ई.टी, स्कूल व कॉलेज
में पढ़ने वाले सभी छात्र-छात्राओं के लिए सर्वोत्तम हिन्दी शब्दकोश

अरुण सागर 'आनन्द'



वी एण्ड एस पब्लिशर्स

प्रकाशक



वी एन एस पब्लिशर्स

F-2/16, अंसारी रोड, दरियागंज, नयी दिल्ली-110002

☎ 23240026, 23240027 • फ़ैक्स 011-23240028

E-mail: info@vspublishers.com • Website: www.vspublishers.com

शाखा: हैदराबाद

5-1-707/1, ब्रिज भवन (सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया लेन के पास)

बैंक स्ट्रीट, कोटी, हैदराबाद - 500 095

☎ 040-24737290

E-mail: vspublishershdy@gmail.com

शाखा : मुम्बई

जयवंत इंडस्ट्रियल इस्टेट, 1st फ्लोर-108, तारदेव रोड

अपोजिट सोबो सेन्ट्रल, मुम्बई - 400 034

☎ 022-23510736

E-mail: vspublishersmum@gmail.com

फॉलो करें:



© कॉपीराइट: वी एन एस पब्लिशर्स

ISBN 978-93-521514-4-8

DISCLAIMER

इस पुस्तक में सटीक समय पर जानकारी उपलब्ध कराने का हर संभव प्रयास किया गया है। पुस्तक में संभावित त्रुटियों के लिए लेखक और प्रकाशक किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होंगे। पुस्तक में प्रदान की गयी पाठ्य सामग्रियों की व्यापकता या सम्पूर्णता के लिए लेखक या प्रकाशक किसी प्रकार की वारंटी नहीं देते हैं।

पुस्तक में प्रदान की गयी सभी सामग्रियों को व्यावसायिक मार्गदर्शन के तहत सरल बनाया गया है। किसी भी प्रकार के उद्धरण या अतिरिक्त जानकारी के स्रोत के रूप में किसी संगठन या वेबसाइट के उल्लेखों का लेखक या प्रकाशक समर्थन नहीं करता है। यह भी संभव है कि पुस्तक के प्रकाशन के दौरान उद्धृत वेबसाइट हटा दी गयी हो।

इस पुस्तक में उल्लिखित विशेषज्ञ के राय का उपयोग करने का परिणाम लेखक और प्रकाशक के नियंत्रण से हटकर पाठक की परिस्थितियों और कारकों पर पूरी तरह निर्भर करेगा।

पुस्तक में दिये गये विचारों को आजमाने से पूर्व किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना आवश्यक है। पाठक पुस्तक को पढ़ने से उत्पन्न कारकों के लिए पाठक स्वयं पूर्ण रूप से जिम्मेदार समझा जायेगा।

उचित मार्गदर्शन के लिए पुस्तक को माता-पिता एवं अभिभावक की निगरानी में पढ़ने की सलाह दी जाती है। इस पुस्तक के खरीददार स्वयं इसमें दिये गये सामग्रियों और जानकारी के उपयोग के लिए सम्पूर्ण जिम्मेदारी स्वीकार करते हैं। इस पुस्तक की सम्पूर्ण सामग्री का कॉपीराइट लेखक/प्रकाशक के पास रहेगा। कवर डिजाइन, टेक्स्ट या चित्रों का किसी भी प्रकार का उल्लंघन किसी इकाई द्वारा किसी भी रूप में कानूनी कार्रवाई को आमंत्रित करेगा और इसके परिणामों के लिए जिम्मेदार समझा जायेगा।

प्रकाशकीय

वी एण्ड एस पब्लिशर्स ने पिछले दिनों विज्ञान से सम्बन्धित कई शब्दकोश प्रकाशित किये हैं। इसी क्रम में जब हमारा ध्यान मातृभाषा हिन्दी की ओर गया तो बाजार में हिन्दी से सम्बन्धित अन्य शब्दकोशों की कमी को महसूस करते हुए पर्यायवाची शब्दकोश संकलित करने का निश्चय किया गया। हमारे निर्देशानुसार लेखक अरुण सागर 'आनन्द' ने लम्बे समय तक परिश्रम करने पश्चात् छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, लेखकों, कवियों तथा तमाम हिन्दी प्रेमी पाठकों की जरूरतों को देखते हुए हिन्दी पर्यायवाची शब्दकोश का संकलन किया है। इस पर्यायवाची शब्दकोश में पाठकों की सुविधा के लिए शब्दों का संपादन वर्णमाला अनुक्रम के अनुसार किया गया है। शब्द पर्याय के लिए तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज आदि सभी प्रकार के शब्दों का संकलन किया गया है। वैसे आंचलिक शब्दों को इस शब्दकोश से हटा दिया गया है जिसकी सर्वमान्यता पर किसी प्रकार का संदेह उत्पन्न हो।

हमें पूर्ण विश्वास है कि प्रस्तुत पर्यायवाची शब्दकोश पाठकों के शब्द सामर्थ्य को बढ़ाने में अत्यंत उपयोगी साबित होगा। प्रकाशन सम्बन्धी किसी त्रुटि या भूल सुधार के लिए पाठकों से सुझाव सादर आमन्त्रित हैं।

आपकी सेवा में सदैव समर्पित!

प्रस्तावना

प्रिय छात्रगण,

वर्तमान समय कठिन प्रतियोगिता का है लेकिन प्रतिभाशाली व्यक्ति प्रत्येक परिस्थिति में सफलता प्राप्त कर लेते हैं। एक सफल प्रतियोगी में दृढ़-इच्छाशक्ति, कड़ी मेहनत एवं सटीक रणनीति का होना अतिआवश्यक है। इस सटीक रणनीति का एक हिस्सा सर्वोत्तम पुस्तकों का चयन करना है।

हिन्दी भाषा को सामान्य रूप से व्यक्त करने के लिए पर्यायवाची तथा विलोम शब्दों की आवश्यकता हर विद्यार्थी को होती है, खासकर आई.ए.एस की परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को। इसके बगैर हिन्दी में उत्कृष्ट लेखन संभव नहीं है।

प्रस्तुत शब्दकोश में भाषण, संवाद लेखन एवं साहित्य सृजन में सामान्य रूप से प्रयुक्त होने वाले शब्द तथा उनके सटीक पर्यायवाची व विलोम शब्द उपलब्ध कराये गये हैं। इसके अतिरिक्त सामान्य रूप से हिन्दी में प्रयुक्त होने वाले उर्दू शब्दों तथा उनके पर्याय व विलोम शब्दों को भी इस कोश में सम्मिलित किया गया है, जिससे इसकी उपयोगिता और बढ़ गयी है।

मैं उम्मीद करता हूँ कि यह शब्दकोश सभी हिन्दी एवं अहिन्दी भाषियों के लिए उपयोगी साबित होगा। किसी भी भाषा को साहित्यिक दृष्टि से बोलने, लिखने तथा उनकी हमें शुद्धता के लिए उन सटीक शब्दों की ज़रूरत होती है, जो हिन्दी साहित्य की गरिमा में चार चाँद लगा दे। साहित्य के सृजन में पर्यायवाची एवं विलोम शब्दों का अपना महत्त्व है।

इस कोश में भाषा की शुद्धता पर पूरा ध्यान रखा गया है और यदि इसका क्रमबद्ध रूप से अध्ययन किया जाये तो सामान्य अध्ययन पर कम से कम श्रम में अधिक से अधिक शब्दों को स्मरण किया जा सकता है।

आशा है कि यह कोश उपयुक्त शब्द तलाश करने वालों और आई.ए.एस. प्रतियोगिता के साथ अन्य सभी प्रतियोगी छात्रों के लिए लाभप्रद सिद्ध होगा।

विषय-सूची

भूमिका	9
अ	11
आ	25
इ	29
ई	31
उ	32
ऊ	35
ऋ	36
ए	37
ऐ	38
ओ	39
औ	40
क	41
ख	47
ग	49
घ	52
च	54
छ	57
ज	58
झ	61
ट	62
ठ	64
ड	65
ढ	67
त	68
थ	70

द.....	71
ध.....	74
न.....	76
प.....	80
फ.....	90
ब.....	91
भ.....	97
म.....	100
य.....	105
र.....	107
ल.....	116
व.....	112
श.....	116
ष.....	119
स.....	120
ह.....	126
परिशिष्ट-1 : कुछ पदनाम.....	128
परिशिष्ट-2 : विज्ञान शब्दावली.....	129
परिशिष्ट-3 : रोजमर्रा के जीवन में आवश्यक अवयव	170
परिशिष्ट-4 : हिन्दी कहावतें तथा उनकी अंग्रेजी पर्याय	176
परिशिष्ट-5 : लोकोक्तियाँ तथा हिन्दी मुहावरें.....	191
परिशिष्ट-6 : भिन्नार्थक शब्द	225
परिशिष्ट-7 : समोच्चरित शब्द	230
परिशिष्ट-8 : सहचर शब्द	235
परिशिष्ट-9 : अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	237

भूमिका

हिन्दी भाषा उद्भव सबसे प्राचीन भाषा संस्कृत से हुआ है। संस्कृत भाषा के दो रूप हैं, वैदिक संस्कृत और लौकिक संस्कृत। उन दिनों संस्कृत वैदिक भाषा होने के साथ-साथ आम बोलचाल की भाषा भी थी जिसे लौकिक संस्कृत कहा जाता है। संस्कृत का विकास उत्तरी भारत में बोली जाने वाली वैदिक कालीन भाषाओं से माना जाता है। आठवीं शताब्दी से इसका प्रयोग साहित्य में होने लगा था रामायण तथा महाभारत महाकाव्य की मूल रचना संस्कृत भाषा में की गयी। पाँचवीं सदी तक आते-आते संस्कृत कालीन बोलचाल की भाषा पाली में बदल गयी। महात्मा बुद्ध के काल में पाली ही यहाँ की लोकभाषा थी। आगे चलकर पाली अपभ्रंश में जिन्हें मगधी, सौरसेनी, महाराष्ट्री, पेशाची ब्राजा तथा अर्धमागधी में बदल गयी। अपभ्रंश भाषा के दो रूप मिलते हैं— पश्चिमी और पूर्वी। समय के साथ भाषा के स्वरूप में परिवर्तन होता गया। बौद्धकाल में ग्रन्थों की रचना पाली भाषा में होने लगी। यही कारण है कि बुद्धकालीन धार्मिक ग्रन्थों की रचना पाली भाषा में सम्पन्न हुई है। पाली के बाद अपभ्रंश बोलियों के रूप में आयी। अपभ्रंश को पुरानी हिन्दी का मध्यकाल कहा जाता है। इसी दौरान मुसलमानों का आगमन भारत में हुआ। इन दिनों भारत में साहित्य-रचना सौरसेनी अपभ्रंश में होती थी। जब देश में मुगलों का शासन था तब तत्कालीन कवियों ने साहित्य की रचना ब्रज तथा अवधि भाषा में की। मुगलों के शासनकाल में यहाँ की राजभाषा पर ईरानी भाषा का भी हिन्दी पर विशेष प्रभाव पड़ा। कई ईरानी शब्द हिन्दी में समाविष्ट किये गये। मुगलों के पश्चात् भारत आने वालों में फ्रांसीसी, पुर्तगाली (डच) और अंग्रेज प्रमुख थे। फारसी, तुर्की, डच आदि भाषाओं के शब्द हिन्दी के साथ घुलमिल गये वे विशेषण शब्द कहलाते हैं। ये सभी शब्द हिन्दी से इस प्रकार घुलमिल गये हैं कि आम आदमी के लिए अब इसे अलग करना मुश्किल है।

भारतवर्ष में खासतौर पर उत्तरी भारत को हिन्दी भाषी क्षेत्र का दर्जा दिया जाता है। जिसमें उत्तर प्रदेश, उत्तरांचल, बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और पंजाब राज्य प्रमुख है।

हिन्दी अपने-आपमें एक समृद्ध भाषा है। कोई भी शब्द बदलते समय और परिवेश के अनुसार अपना अर्थ बदलता रहता है। मानव सभ्यता के विकास तथा

अलग-अलग संस्कृति के लोगों के आपस में मिलने से एक ही शब्द के समान अर्थ वाले कई शब्द जुड़ते चले गये। उनमें से कुछ शब्दों का समय के साथ लोप हो गया तो कुछ शब्द आज भी अपनी गरिमा बनाये रखने में सफल है। अन्य भाषाओं के मिलने से हिन्दी भाषा के शब्द भंडार में अतुलनीय वृद्धि हुई है। कोई भी रचनाकार वाक्य विन्यास करते हुए वक्त की जरूरत और अपनी सुविधा के अनुसार समकालीन उपयुक्त शब्दों का चयन करता है।

किसी भाषा की समृद्धि में शब्द के साथ उसके पर्यायों का बहुत बड़ा योगदान होता है। हर शब्द का एक विशेष अर्थ होता है। एक शब्द का अर्थ दूसरे से मिलता-जुलता हो सकता है परन्तु वह मूल शब्द से किंचित भिन्न रहता है। एक सृजनात्मक लेख की सफलता का मूल्यांकन इस बात पर निर्भर करता है कि उसमें किस तरह के शब्दों का चयन हुआ है। प्रस्तुत पर्यायवाची शब्दकोश के संकलन के पीछे इस तथ्य का विशेष ध्यान रखा गया है कि किसी छात्र, शिक्षक या रचनाकार को शब्दों के चयन में उसके रचना के अनुरूप शब्द मिले। कई बार जब लेखक मनोवांछित शब्द नहीं पाता है तो छटपटाहट में आंचलिक या हिंग्लिस शब्दों का प्रयोग करने लगता है। आजकल हमारे समाज में हिंग्लिस शब्दों का प्रयोग धड़ल्ले से हो रहा है जिसके कारण हिन्दी भाषा की गरिमा को गहरा धक्का लगा है।

इस शब्दकोश में लेखक ने उन व्यावहारिक शब्दों का चयन किया है जिसका हिन्दी लेखन परम्परा में अधिक प्रचलन है। इस पर्यायवाची शब्दकोश के संग्रह के पीछे हमारा उद्देश्य है कि हिन्दी भाषा के किसी रचनाकार को अपने मनोवांछित शब्द नहीं मिलने पर आंचलिक या हिंग्लिश शब्दों का प्रयोग नहीं करना पड़े।

अ

अ - देवनागरी और संस्कृत कुटुंब की अन्य वर्णमालाओं का पहला अक्षर और स्वर वर्ण है। इसका उच्चारण स्थान कंठ है। व्यंजन वर्णों का उच्चारण 'अ' वर्ण की सहायता के बिना नहीं हो सकता। यथा क+अ = क, ख+अ = ख आदि वर्ण अकार के साथ बोले और लिखे जाते हैं। उपसर्ग के तौर पर 'अ' का प्रयोग करने से यह रहित, उलटा के अर्थों में प्रयुक्त होते हैं। उदाहरण- स्वस्थ-अस्वस्थ। स्वस्थ के पूर्व 'अ' वर्ण का प्रयोग करने से इसका अर्थ उलटा हो जाता है।

अंक—1. संख्या, नंबर, आँकड़ा; 2. निशान, चिन्ह, छाप; 3. गोद, अंकवार, आँक; 4 दाग, धब्बा।

अंकन—अनुरेखन, प्रत्यंकन, अनुरेखण, रेखानुरेखण, अक्स बनाना, खाका बनाना, लेखन।

आँकाई—मूल्यांकन, अंदाजा, आँकने की क्रिया।

आँकुर—आँखुआ, आँख, कोपल, कलिका, नोक, प्ररोह, कनखा, भराव, उपरोपिका, किसलय, नवपल्लव।

अंकुश—1. दबाव, रोक, अंकुसी, गजांकुश; 2. हाथी को नियंत्रित करने की कील; 3. नियंत्रित करने या रोकने का तरीका।

अंग—1. भाग, अवयव, हिस्सा, संघटक, घटक, उपादान; 2. अंश, खंड, टुकड़ा; 3. शरीर, तन, देह, गात, गात्र।

अंगज—1. बेटा, लड़का, सुत, सुवन, आत्मज, तनुज, तनय, नन्दन, लाल, पुत्र; 2. रोम, केश, बाल।

अंगजा—बेटी, लड़की, सुता, आत्मजा, तनुजा, तनया, नंदिनी, दुहिता, पुत्री।

अँगड़ाई—आलस्य दूर करने के लिए शरीर को खींचना, मोड़ना, चेतन होने के लिए उपक्रम करना।

अंगद—1. बाजूबंद, भुजबंध; 2. बालिपुत्र, बालिकुमार, तारेय, बालितनय।

अँगना—कामिनी, वामा, सुंदरी, सुमुखी।

अंग-भंग करना—अपंग करना, विकलांग करना, अंगहीन करना, हाथ-पैर काट देना; 2. मोहित करने के निमित्त, स्त्री की कटाक्ष क्रिया।

अंगार—चिनगारी, अँगारा, दहकता हुआ कोयला, धुँआरहित कोयला।

अंगिया—वक्ष-स्थल को ढँकने के लिए स्त्रियों द्वारा प्रयुक्त अंतर्वस्त्र, बॉडिस, चोली, कुरती, कंचुकी।

अंगी—1. मुख्य, प्रमुख, प्रभावकारी; 2. रस प्रमुख भाव।

अंगीकरण—स्वीकार, स्वीकारोक्ति आत्म-स्वीकृति, कबूल करना, अंगीकार, मंजूर।

अंगीठी—प्रतप्त कोयलों का समूह रखने को एक पात्र, बोरसी, आतिशदान, सिंगड़ी।

अँगूठी—मुद्रा, मुँदरी, छल्ला, मुद्रिका, अंगुष्ठिका, अंगुलिमुद्रा, अँगुशतरी।

अंगूर—दाख, किशमिश, द्राक्षा।

अँगोछा—गमछा, तौलिया, उपवस्त्र।

अँग्रेज—फिरंगी, गोरा, आंग्लदेशी।

अंचल—1. आँचल, पल्ला, पल्लू, छोर; 2. सीमा प्रदेश (सीमांत) क्षेत्र; 3. किनारा, तट।

अंजन—1. सुरमा, काजल; 2. आँजन, काजल।

अंजुमन—संघ, सभामण्डली, सभायोजन, संगठन ।

अँटसँट—अंडबंड, अव्यवस्थित, अनावश्यक, अनुपयुक्त, ऊटपटांग ।

अंड—1. अंडा, डिंवा; 2. अंडकोश, फोता ।

अंत—1. समाप्ति, इति, इतिश्री; 2. छोर, किनारा, सिरा; 3. मृत्यु, मरण; 4. नाश, उन्मूलन, निरसन, उत्सादन; 5. फल, नतीजा, अंजाम, परिणाम ।

अंतःकरण—अंतर्मन, अंतरात्मा, हृदय, मन ।

अँतड़ी—आँत, अंतड़ी, अन्त्र ।

अंतःपुर—ज्ञानखाना, रनिवास, हरमखाना, महल के भीतर स्त्रियों के रहने की जगह ।

अंतर—1. भेद, फर्क; 2. आड़, परदा, ओट; 3. फासला, दूरी ।

अंतरात्मा—अंतःकरण, अंतर्मन, हृदय ।

अंतरिक्ष—अंबर, आकाश, आसमान, अनंत, गगन, नभ, व्योम, महाव्योम, शून्य, ज्योतिष्यथ ।

अंतर्गत—शामिल, सम्मिलित, भीतर आया हुआ गुप्त ।

अंतर्दृष्टि—ज्ञानचक्षु, सूझ, आत्मचिन्तन ।

अंतर्द्वंद्व—मानसिक संघर्ष, दुविधा ।

अंतर्धान—ओझल, गायब, लुप्त, अदृश्य ।

अंतर्हित—अदृश्य, छिपा हुआ, गायब, लुप्त, गुप्त, तिरोहित ।

अंदाज़—1. अनुमान, अटकल; 2. नाप-जोख, कूत, परिणाम; 3. ढंग; 4. हाव-भाव, भाव, मटक, ठसक ।

अंदेशा—1. सोच, चिन्ता, फ़िक्र, खटका; 2. भय, खतरा, भास; 3. सन्देह, आशंका; 4. दुविधा, असमंजस, पसोपेश ।

अंधकार—अंधेरा, अंधेरी, अँधियारा, अँधियारी, तम, तिमिर, तमस, कालिमा, धुन्धकार ।

अंधकारमय—तमोमय, तमाच्छादित तिमिरावृत्त ।

अंधा—1. अंध, नेत्राहीन, चक्षुहीन, सूरदास; 2. मूर्ख, अज्ञानी, विवेकशून्य ।

अँधेर—1. अँधेरखाता, धाँधली, अन्याय, बेईसाफी; 2. अशांति, विप्लव ।

अंधेरी रात—तमी, तामसी, तमस्विनी, श्यामा ।

अंब—1. अंबा, माता, जननी ।

अंबर—1. आकाश, आसमान, गगन; 2. कपड़ा, वस्त्रा, वसन; 3. बादल, मेघ, घन, वारिद, नीरद ।

अंबार—ढेर, राशि ।

अंबिका—1. माता, माँ; 2. पार्वती, देवी, दुर्गा, देवकन्या; 3. अंबाष्तालता ।

अंश—1. हिस्सा, भाग, अवयव, खंड टुकड़ा; 2. अंश की भिन्न की रेखा से ऊपर संख्या ।

अंशु—किरण, प्रभा, ज्योति, सूर्य ।

अकड़—1. ऐंठ, तनाव; 2. अभिमान, घमंड, शेखी; 3. धृष्टता, ढिठाई ।

अकड़ जाना—कठोर हो जाना, पथरा जाना, ऐंठ जाना ।

अकथ—अनिर्वाच्य, अवाच्य, अवचनीय, अकथ्य, वर्णनातीत, अवर्णनीय ।

अकल्याण—1. अशुभ, अमंगल; 2. अहित, अनिष्ट, खराबी, हानि ।

अकस्मात्—अचानक, सहसा, तत्क्षण, संयोगवश, अकारण, अनायास, दैवयोग, यकायक, हठात्, एकाएक, एकदम ।

अकारण—बेमतलब, बेबात, बेवजह, बेसबब, नाहक, कारणरहित, निष्प्रयोजन ।

अकारथ—बेकार, व्यर्थ ।

अकाल—1. दुर्भिक्ष, भुखमरी, कुसमय, काल, दुष्काल; 2. मँहंगी, मूल्यवृद्धि, तेज़ी ।

अकिंचन—तुच्छ, दरिद्र, गरीब, निर्धन, कंगाल, दीन।

अकुलाना—1. आकुल होना, घबराना, व्याकुल होना, अधीर होना; 2. ऊबना, उकताना।

अकृतज्ञ—कृतघ्न, एहसानफरामोश।

अकेला—1. एकाकी, तनहा, एकमात्र, अद्वितीय, अनन्य; 2. अकेले-अकेले, अकेले-दम।

अकेलापन—एकांतिकता, एकांतवास, एकाकीपन, विविक्तता।

अक्खड़—अनौपचारिक, धृष्ट, नियम विरुद्ध, शिष्टाचार विहीन, गैररस्मी, बेतकल्लुफ़।

अक्षर—1. वर्ण, हरुफ; 2. अविनाशी।

अकसर—प्रायः बहुधा, अधिकतर, प्रायशः, अधिकांशतः।

अखंड—1. पूरा, समूचा, पूर्ण, अविभक्त; 2. अजन्म, निरंतर, लगातार; 3. अक्षय, अक्षुण्ण।

अखंडता—सततता, निरंतरता, अविच्छेदता, अविच्छिन्नता, अछिन्नता, पूर्णता।

अखरना—1. बुरा लगना, अप्रिय लगना; 2. कष्टदायी लगना, दुःखदायी लगना, खलना।

अखाड़ा—1. मंडली, मठ; 2. व्यायाम-शाला, मल्लयुद्ध करने का स्थान, तमाशा दिखाने वाले या नाच-गान करने वालों का जमावड़ा, साधुओं की मण्डली।

अखिल—1. पूरा, समूचा, संपूर्ण; 2. अखंड, अक्षय, अक्षुण्ण।

अख्तियार—अधिकार, वश, प्रभुत्व, सामर्थ्य।

अगड़म—बगड़म-प्रकाष्ठ, निरर्थक पदार्थ, काठ-कबाड़, बेकार की चीज़, अंगड़-खंगड़।

अगणित—1. असंख्य, बेशुमार, अनगिनत; 2. अनंत, अपार, अमित, अपरिमित, असीम, निस्सीम।

अगम, अगम्य—1. कठिन, दुर्बोध, मुश्किल, दुश्वार, अज्ञेय; 2. अथाह, गहरा, अपार; 3. विकट, बहुत अधिक।

अगर—यदि, जो, यद्यपि, अगरचे।

अगर-मगर (करना)—टालमटोली करना, टालना।

अगल-बगल—आसपास, आजु-बाजू, निकट।

अगला—अग्र, अग्रवर्ती, सामने का, पहले वाला, आगे आने वाला, पहला, प्रथम।

अगस्त्य—शिव, तीर्थ, दक्षिण का एक प्रसिद्ध तीर्थ, एक ऋषि का नाम, वृक्ष।

अगाध—1. अथाह, गहरा; 2. अज्ञेय, दुर्बोध; 3. अपार, असीम, बहुत।

अगुआ—अग्रणी, मुखिया, नेता, सरदार, नायक, प्रधान, मार्गदर्शक, पुरोगम, पुरोधा, विवाह सम्बन्ध ठीक करने वाला।

अगोचर—1. अप्रकट, अव्यक्त, इंद्रियातीत, अप्रत्यक्ष, अप्रकाशित, अप्रकाशमान, गुप्त; 2. ईश्वर।

अगोरना—1. रखवाली करना, पहरा देना, रखाना, चौकीदारी करना, यत्न से रखना; 2. प्रतीक्षा करना, इंतज़ार करना, बाट देखना।

अग्नि—1. आग, पावक, अनल; 2. दावानल वन की आग; 3. बड़वानल-समुद्र की आग; 4. जठरानल-पेट की आग।

अग्निकण—स्फुल्लिंग, चिनगारी।

अग्निकांड—अग्निदाह, प्रचंड अग्नि, दीपन, ज्वलन, प्रचंड ज्वाला, प्रज्वलन।

अग्निज्वाला—ज्वाला, शिखा, अग्निशिखा, भस्मनी, लूक, लुकारी, लपट, लौ।

अग्नि संताप—संज्वर, संताप, दाह, झुलस, जलन ।

अग्र—1. आगा, अग्रभाग; 2. सिरा, नोक; 3. श्रेष्ठ, उत्तम; 3. प्रधान, प्रमुख, मुख्य; 4. अगला, आगामी ।

अग्रगण्य—1. प्रधान, प्रमुख, मुख्य; 2. प्रथम, पहला; 3. प्रसिद्ध, विख्यात, मशहूर, नामवर ।

अग्रज—1. बड़ा भाई, बड़भ्राता; 2. अगुआ, नेता, नायक ।

अग्रणी—1. नायक, नेता, मार्गदर्शक, अगुआ; 2. प्रधान, प्रमुख, मुख्य ।

अग्रसूचना देना—पूर्वाभास देना, पूर्वज्ञान कराना, पूर्व चिन्ह बताना, पूर्व लक्षण बताना ।

अग्राह्य—1. अनुचित, अनुपयुक्त; 2. अस्वीकार्य, अमान्य ।

अधाना—तृप्त होना, पेट भरना, संतुष्ट हो जाना, छकना, पूर्ण हो जाना; जी भर जाना ।

अचंभा—चकित, सन्न, आश्चर्य, ताज्जुब, विस्मय, हैरानी ।

अचल—1. अविचल, अटल, अडिग, निश्चल; 2. दृढ़, स्थिर, अटूट ।

अचला—धरती, पृथ्वी, मेदिनी, भूमि ।

अचवना—मुँह धोना, कुल्ली करना, आचमन करना, अचवन करना ।

अचानक—एकाएक, एकबारगी, सहसा, अकस्मात्, यक-ब-यक, अनायास, हठात्, दैवयोग से, संयोग से, संयोगवश, अप्रत्याशित रूप से, आकस्मिक रूप से, अनजाने ही ।

अचिर—तुरन्त, बिना देरी के, फौरन ।

अचीन्हा—बे पहिचाना, अनजान ।

अचूक—1. अमोघ, अनिष्फल; 2. (साधन,

औषध आदि के सन्दर्भ में लाक्षणिक प्रयोग) रामबाण, ब्रह्मास्त्रा

अचेत—1. मूर्च्छित, बेहोश, विकल, विह्वल; 2. असावधान, अनजान, बेखबर; 3. नासमझ, मूर्ख, जड़ ।

अच्छा—1. चोखा, चौकस, उम्दा, आला, श्रेयस्कर, बढ़िया; 2. कुशल, वर, उद्भट; 3. पुण्य, शुभ, सत्, सु, उचित, उपयुक्त; 4. सही, ठीक, दुरुस्त, नेक, शरीफ; 5. स्वस्थ, नीरोग, भलाचंगा, सुन्दर; 6. हैं, हाँ ।

सबसे अच्छा—1. श्रेष्ठ, उत्तम, अत्युत्तम; 2. सर्वश्रेष्ठ, सर्वोत्तम ।

अच्छा लगना—1. प्रिय लगना, भाना, पसंद आना, सुहाना, रुचना, नज़र में चढ़ना; 2. जँचना, फबना, सजना, शोभा देना ।

अच्छा न लगना—1. बुरा लगना, अखरना, खलना, चुभना, सालना; 2. एक आँख न भाना, फूटी आँख न भाना ।

अछूत—1. अस्पृश्य; 2. हरिजन, अंत्यज, अनुसूचित जातीय ।

अजनबी—अपरिचित, अज्ञात, अनजान, नावाकिफ, अविदित ।

अजय—पराजय, हार ।

अजस्र—लगातार, निरन्तर, सिलसिलेवार, क्रमिक ।

अजिर—1. आँगन, सेहन; 2. हवा वायु, पवन, वात ।

अजीर्ण—अपच, बदहजमी ।

अजीब—अद्भुत, विचित्रा, विलक्षण, अनोखा ।

अज्ञ—मूर्ख, अज्ञानी, बेवकूफ, नासमझ ।

अज्ञान—जड़ता, मूर्खता, अविद्या, मोह, अविवेक ।

अज्ञानी—निर्बुद्धि, अनभिज्ञ, अज्ञ, मूढ़, अनजान, मूर्ख, बेवकूफ, नासमझ।

अटकना—अड़ना, रुकना, फँसना, बझना, रुकावट पड़ना, बाधा पड़ना, टिकना, ठहरना।

अटकल—अनुमान, अंदाज़, कूत।

अटकाना—रोकना, ठहराना, टिकाना, अड़ाना, छेकना, रुकावट डालना, फँसाना, उलझाना, गति रोकना, अवरोध करना।

अटना—समाना, भर जाना, भरना, पर्याप्त होना।

अटल—स्थिर, अचल, अडिग, अविचलित, चिरस्थायी, पक्का, दृढ़, घुव, निश्चित, अवश्यम्भावी, नियत, स्थायी, निश्चल, अचर, कृत संकल्प, दृढ़ संकल्प, दृढ़ प्रतिज्ञ, दृढ़ निश्चय, स्थिरमति, हठी, नित्य, अक्षय, शाश्वत, अमर।

अटूट—1. अखण्ड, निरन्तर; 2. अचल, दृढ़, अटल।

अणु—कण, छोटा टुकड़ा, रज, रजकण।

अण्डाकार—दीर्घवृत्तीय, दीर्घवृत्ताकार, अण्ड-वृत्ताकार।

अति—1. बहुत अधिक, अतिशय, अतीव, अत्यधिक, अतिमात्रा, ज़्यादा; 2. अनेक, असंख्य, अपार, अपरिमित, असीम, बेशुमार, बेहद, परम, विपुल, निपट; 3. अधिकता, ज़्यादती, अनाचार।

अतिक्रमण—संक्रामण, अतिचरण, उल्क्रमण, अतिचार, अवज्ञा, उल्लंघन।

अतिथि—अभ्यागत, मेहमान, गृहागत, पाहुना।

अतिरिक्त—1. सिवाय, अलावा; 2. भिन्न, अलग पृथक्, विभिन्न, जुदा, न्यारा।

अतिसार—उदरामय, अतीसार, पेचिश।

अतीत—1. भूत, गत, व्यतीत; 2. पृथक्, अलग, जुदा; 3. विरक्त।

अतीव प्रसन्नता—परमानन्द, हर्षातिरेक, हर्षोन्माद, अत्यानन्द, प्रहर्ष, मौज।

अतुल—1. अमित, असीम, अपरिमित; 2. असमान, अनुपमेय।

अत्यंत—1. अधिक, अतिशय, अत्यधिक, काफी; 2. बेहद।

अत्याचार—1. अन्याय, ज़्यादती विरुद्धाचरण, शीलाघात, हिंसा, अनाचार, दुष्टता, व्यभिचार, पाप, दुराचार, बलात्कार; 2. आडम्बर, पाखंड, ढकोसला।

अत्याचारी—क्रूर व्यक्ति, दुष्ट मनुष्य, बदमाश आदमी।

अथाह—अगाध, गहरा, अतलस्पर्शी, अपरिमित, अपार, गंभीर गूढ़, कठिन।

अदद—गिनती, अंक, संख्या।

अदब करना—श्रद्धा रखना, पूजा-भाव रखना, भक्ति-भाव रखना, सम्मान करना, आदर करना, इज़्ज़त करना, शिष्टाचार।

अदरक—आदी, आर्द्रक, शृंगवेर।

अदला-बदली—विनिमय, आदान-प्रदान, उलटफेर, हेरफेर, परिवर्तन।

अदायगी—ऋण भुगतान, निपटाव, भुगतान, चुकती, भरपायी, वापसी, प्रतिदान, प्रत्यार्पण।

अदालती—1. क़ानूनी, न्यायिक, वैध, वैधानिक; 2. न्यायालय विषयक, न्याय सभा का।

अदृश्य—अलख, अगोचर, ओझल, अंतर्धान, तिरोहित, लुप्त, गायब, परोक्ष।

अद्भुत—1. विचित्र, विलक्षण, आश्चर्यजनक, स्वर्गीय, विस्मयजनक,

अनोखा, अप्रतिम, दिव्य, अनूठा, असांसारिक, निराला अपूर्व, अलौलिक, अपार्थिव, अतिप्राकृत, लोकातीत;
2. अजीब, अजब।

अद्वितीय—1. एकाकी, अकेला, एक;
2. बेजोड़, असाधारण, अनुपम;
3. विचित्र, विलक्षण, अद्भुत, अजीब;
4. प्रधान, मुख्य।

अधम—1. निकृष्ट, निम्न, पतित, नीच;
2. भ्रष्ट; 3. हेय।

अधर्म—1. विरुद्धाचरण, धर्मोल्लंघन, नीतिभंग, अपराध; 2. कल्मष, दुरित, अघ, दोष, कुकर्म, पातक, अपकर्म, पाप, दुष्कर्म, दुराचार, अनाचार, पापकर्म, गुनाह।

अधार्मिक—धार्मिक मत विरोधी, धर्मविमुख, धर्मविरत, नास्तिक।

अधिकता—बाहुल्य, बहुलता, बहुत्व, बहुविधता, विविधता, बहुरूपता, अनेकरूपता, विभिन्नता, प्राचुर्य, प्रचुरता, अनेकता, आधिक्य, वैपुल्य, विपुलता, पर्याप्ति, यथेष्टता, पुष्कलता, रेलपेल, अतिशयता, बहुतायत, उद्रेक, अतिरेक, अधिकाई, वृद्धि, स्फीति, प्रभूतता।

अधिकांश—भूयिष्ठ, अत्यधिक, अतिशय, अधिकतम, बहुतम, ज़्यादातर।

अधिकार—1. प्रभुत्व, आधिपत्य, स्वत्व, स्वामित्व; 2. दावा, हक; 3. अखत्यार, वश, काबू; 4. सत्ता, शासन, अधिकार; 5. शक्ति, प्रभाव, क्षमता, सामर्थ्य, योग्यता।

अधिकार क्षेत्र—अधिक्षेत्र, न्यायक्षेत्र, न्याय सीमा, अधिकार सीमा, अमलदारी, अस्तित्व क्षेत्र, प्रभाव क्षेत्र, कार्य क्षेत्र, कर्म क्षेत्र।

अधिकार छोड़ना—स्वत्व त्यागना, हाथ उठा लेना, दावा हटा लेना, दावा छोड़ देना।

अधिकारी—1. हकदार, दावेदार, स्वत्वधारी, स्वामी; 2. कब्जेदार, अधिपति, प्रभु; 3. सत्ताधारी, शासक, पदाधिकारी, अफसर; 4. विज्ञ, पात्र, योग्य।

अधिवक्ता—प्रतिनिधिवक्ता, मुखपात्र, पक्षवक्ता, वकील, नुमाइंदा।

अधीन—1. आश्रित, मातहत, वशीभूत, पराधीन, पराश्रित, आज्ञाकारी; 2. विवश, परतंत्र, परवश, अस्वच्छंद, गुलाम, लाचार, शरणागत।

अधीनस्थ—अतिरिक्त, सहायक, निम्न पदस्थ, उपाश्रित।

अधीनस्थ पदाधिकारी — उपाधिकारी, अधीनस्थ अभिकर्ता, सहायक कर्मचारी, निम्न पदाधिकारी, नायब अधिकारी, कनिष्ठ अधिकारी, उपाश्रित अधिकारी, पेशकार।

अधीर—धैर्यहीन, व्यग्र, बेचैन, व्याकुल, विह्वल, चंचल, अस्थिर, उतावला, आतुर, असंतोषी।

अधेड़—प्रौढ़त्व, प्रौढ़ावस्था, पक्की उम्र।

अधोलोक—पाताल, रसातल।

अध्यक्ष—सभापति, प्राध्यक्ष, प्रधान, संचालक, प्रबंधक, अधिष्ठाता, नायक, प्रमुख, मुखिया, सरदार, चैयरमैन।

अध्ययन—1. पठन, पढ़ना, पढ़ाई, पारायण; 2. अवलोकन, निरीक्षण, प्रेक्षण, पर्यवेक्षण; 3. अनुशीलन, परिशीलन।

अध्यापक—शिक्षक, गुरु, उस्ताद।

अनन्त—1. असीम, बेहद, निस्सीम, अपरिमित; 2. अविनाशी, नित्य, अक्षम, अक्षुण्ण, अमर; 3. अतिशय, अधिक, अगणित, असंख्य, बहुत, बेशुमार; 4. आकाश, आसमान, नभ, गगन।

अनकहा—अव्यक्त, अनुक्त, गुप्त, अकथित, अध्वनित ।

अनगिनत—अगणित, संख्यातीत, असंख्य, अनगिनत, बेहद, बेशुमार, असीम ।

अनजान—1. अज्ञात, अपरिचित, अनभिज्ञ; 2. भोला—भाला, नासमझ, नादान, सीधा, अज्ञ, अज्ञानी ।

अनदेखा—बिनदेखा, अदेखा ।

अनन्तर—तदुपरांत, तत्पश्चात्, इसके पश्चात्, इसके बाद, उसकी पीछे, फिर ।

अनपढ़—मुख, गँवार, अपढ़, अशिष्ट, अशिक्षित, उजड़, अक्खड़ जाहिल, निरक्षर ।

अनबन—1. मतभेद, वैमनस्य, विरोध, असहमति; 2. झगड़ा, तकरार, विवाद, बखेड़ा, टंट ।

अनमना—उदास, अन्यमनस्क, उन्मन, विमुख, विरक्त, उदास, गतानुराग, अन्यमनस्क ।

अनवरतता—नित्यता, लगातार, शाश्वतता, चिरन्तनता, चिरस्थायित्व, सनातनता, सातत्य, क्रमबद्धता, निरन्तरता, बिना रुके ।

अनाज—अन्न, धान्य, गल्ला, दाना, खाधन् ।

अनाज गोदाम—धान्यागार, धान्यकोष्ठ, कोठार, खत्ती, अन्नागार, अन्नभंडार, गल्ला—गोदाम ।

अनाड़ी—अदक्ष, अकुशल, अनभ्यस्त, अनभ्यासी, अननुभूत, अनिपुण, अनभिज्ञ, अपटु, अनुभवरहित, अनुभवहीन, कलारहित, अशिक्षित, नादान ।

अनाथ—नाथहीन, असहाय, दीन, निःसहाय, बेकस, यतीम, दुःखी, निराश्रित, निरावलंब, निराश्रय, आश्रयहीन, बेसहारा, बेचारा, परितक्त, अशरण ।

अनादर—अवहेलना, अवज्ञा, तिरस्कार, उपेक्षा, उपहास, अश्रद्धा, अवमान, अपमान, तौहीन, हिकारत, अपकर्ष, मानमर्दन, प्रतिष्ठा भंग, परिभव, पराभव, असम्मान ।

अनादर करना—अवज्ञा करना, अपमान करना, उपेक्षा करना, तुच्छ समझना, अवहेलना करना, तिरस्कार करना, हेय समझना, निरादर करना ।

अनादरपूर्ण—निरादरपूर्ण, असम्मानपूर्ण, अपमानपूर्ण, अवमानी, अपेक्षामय, पराभवपूर्ण ।

अनाप-शनाप—1. अटसंट, ऊटपटांग, अव्यवस्थित, बेहिसाब; 2. अपरिमित, असीम, बेहद, निस्सीम ।

अनावश्यक—अनपेक्ष, निष्प्रयोजन, व्यर्थ, बेकार, अनपेक्षित, फिजूल, फालतू, गैर-लाज़िमी, गैर-ज़रूरी, गौण ।

अनिध—अनिदनीय ।

अनियत—कदाचित, विरला, यदा-कदा ।

अनियमित—अनियत, नियमविरुद्ध, बेकायदा, अनियमी, असमान ।

अनिवार्य—1. अनावश्यक, अपरिहार्य, अवश्यक, बाध्यकर, ज़रूरी, लाज़िमी; 2. अटल, अवश्यम्भावी ।

अनिवार्य गुण—सहज प्रवृत्ति, नैसर्गिक प्रवृत्ति, स्वाभाविक गुण, अपरिहार्य लक्षण, अत्यावश्यक गुण, भाव, निष्कर्ष ।

अनिश्चय—असमंजस, दुविधा, उलझन ।

अनिश्चित—अनिर्णयात्मक, अनिर्णीत, संदिग्ध, दुविधापूर्ण, संशयात्मक, दोलायमान, विचाराधीन, अनियमित, असंबद्ध, अनधिकृत, असंख्य, अगण्य, अस्पष्ट, अस्थिर, भ्रामक, संशयपूर्ण, शंकाकुल ।

अनिष्ट—1. बुरा, अनुचित; 2. अशुभ, अहितकर, अमंगल, अकल्याण; 3. अवांछित, अनभिष्ट।

अनुकंपा—कृपा, दया, सहानुभूति।

अनुकरण—1. नकल, देखादेखी; 2. अनुसरण, अनुगमन, अनुवर्तन; 3. अनुकृति, प्रतिकृति।

अनुकूल—1. अनुसार, अनुरूप, मुआफिक, संगत, अविरोद्ध, पक्ष में अभिमत, सामंजस्यपूर्ण; 2. हितकर, लाभदायक, कल्याणकार।

अनुकूलता—अनुयोज्यता, अविरोद्धता, अनुरूपता, आनुकूल्य, अनुकूलनशीलता, अविमुखता।

अनुकूल होना—अनुरूप होना, ऐक्य होना, एकमत होना, एकरूप होना।

अनुचित—1. अनुपयुक्त, अवांछनीय, अयुक्तसंगत, युक्तहीन, असंगत; 2. नामुनासिब, इष्टप्रतिकूल, बेजा, गैरमाकूल, नाजायज़, गैरबाज़िब; 3. नीतिविरोद्ध, अनैतिक, असमीचीन, असमयोचित।

अनुपम—1. उपमारहित, असाधारण, अप्रतिम, निरूपम, अपूर्व, अद्वितीय, बेजोड़, अतुल, बेनज़ीर; 2. सुन्दर, बढ़िया, अच्छा, लाजवाब।

अनुपस्थिति—1. गैरमौजूदगी, गैरहाजिरी, अविद्यमानता; 2. अभाव, कमी, रहित, शून्यता।

अनुभव—तजुर्बा, अनुभूति, आपबीती, संवेदनशीलता, इंद्रियबोध क्षमता, इंद्रियबोध शक्ति, संवेदन, संवेदना।

अनुभवहीन—अकुशल, अपटु, अनिपुण, अनाड़ी, अनभ्यस्त, अनुभवरहित।

अनुभवी—कर्मप्रवीण, दक्ष, कुशल, निपुण, जानकार तजुर्बेकार।

अनुमति—1. आज्ञा, अनुज्ञा, हुक्म, इज़ाजत, स्वीकृति, समादेश; 2. सहमति, सम्मति, मंजूरी, मर्ज़ी, रजामंदी।

अनुमति-पत्र—अनुज्ञापत्र, आज्ञापत्र, पर्ची, परमिट, परवाना, इज़ाजतनामा।

अनुमान—1. अटकल, अंदाज़, कयास, कूत; 2. पूर्वानुमान, प्राक्कलन, मूल्यांकन, आकलन।

अनुयायी—1. अनुगामी, मतावलंबी, भक्त, अनुकर्ता, अनुगतिक, समर्थक; 2. नौकर, सेवक, अनुचर, चाकर, दास।

अनुरक्ति—अनुराग, प्रेम, स्नेह।

अनुरूप—आनुषंगिक, सदृश, समरूप, समान, तुल्यरूप, समान, एकरूप, मिलता—जुलता।

अनुरूपता—सामंजस्य, संगति, सादृश्य, संगतता, अनुकूलता, समरूपता, एकरूपता, तुल्यरूपता, समानता।

अनुरोध—प्रार्थना, विनय, विनती, निवेदन, अभ्यर्थना, याचना।

अनूठा—1. अनोखा, निराला, विलक्षण; 2. असाधारण, अनुपम, बेजोड़।

अनेक—विविध, नाना, कई, असंख्य, अगणित।

अनेकता—बहुरूपता, वैविध्य, विविधता, अनैक्य, विभिन्नता, नानात्व।

अनोखा—विलक्षण, विचित्र, असाधारण, अद्भुत, निराला, अजीब, विस्मयजनक, आश्चर्यजनक, अलौकिक, अपूर्व, अद्वितीय, अप्रतिरूप, अनूठा, बेजोड़, चमत्कारिक।

अन्न—धान्य, अनाज, दाना, गल्ला, शस्य, बीज्य, खाद्य-सामग्री, खुराक।

अन्य—1. दूसरा, इतर, और; अनन्तर, बाद वाला ।

अन्यथा—1. वर्ना नहीं तो; 2. और तरह, और कुछ ।

अन्वेषण—जाँच, खोज, अनुसंधान अन्वेषण ।

अपकार—1. अहित, अमंगल, अनिष्ट, हानि, बुराई, अनुपकार; 2. द्रोह, द्वेष, दुष्क्रिया, मंदकर्म ।

अपकारी—कुकर्मी, अनर्थकारी, अहितकारी, अनिष्टसाधक, बुरा करने वाला, दुष्टबुद्धि, कुबुद्धि, पीड़क ।

अपकर्ष—अवनति, अधोगति, घटाव, उतार, पतन, अधोपतन ।

अपढ़ आदमी—अशिक्षित व्यक्ति, निरक्षर व्यक्ति, निरक्षर भट्टाचार्य, अप्रबुद्ध व्यक्ति ।

अपना—1. निज, निजी, व्यक्तिगत, वैयक्तिक; 2. स्व, स्वकीय, आत्म, आत्मीय ।

अपनाना—1. स्वीकार करना, ग्रहण करना, आत्मसात् करना, कबूल करना, अख्तियार करना, अंगीकार करना; 2. अपना बनाना, आत्मीयता स्थापित करना, गले लगाना, कलेजे से लगाना, आश्रय देना ।

अपनापन—स्वत्व, निजीपन, व्यक्तिगत, अपनत्व, आत्मीयता ।

अपने आप—1. स्वयं, स्वमेव, स्वतः, खुद-ब-खुद; 1. अनायास, बेसाख्ता, बरबस, बेअख्तियार; 3. हठात, यंत्रवत् ।

अपमान—अनादर, अप्रतिष्ठा, अपयश, बेइज्जती, गौरवहीनता, अमान, तिरस्कार, अवहेलना, धिक्कार, निरादर, अवमानना, मानहानि, उपेक्षा, ज़िल्लत, बेक़द्री ।

अपमानजनक—निरादरपूर्ण, तिरस्कारपूर्ण, उपेक्षापूर्ण, घृणास्पद, पराभवपूर्ण ।

अपयश—अपकीर्ति, अयश, अकीर्ति, अपवाद, निन्दा ।

अपराध—1. दुष्कर्म, गुनाह, ग़लती, दोष, पाप; 2. कसूर, ख़ता, जुर्म ।

अपराधी—पापकर्मी, मुजरिम, अपराधशील, दण्डनीय, कृतापराध, अपराधोद्यत, पापी, सदोष, दोषी, कसूरवार, अपराध चैतन्य ।

अपवित्र—1. अपावन, अशुचि, अशुद्ध; 2. अस्वच्छ, मलिन, दूषित, गंदा, पाप ।

अपशकुनी—अपशाकुनिक, अनिष्टशंसी, अनष्टिकारी, अमंगलसूचक ।

अपहरण—हर लेना, छीन लेना, ज़बरदस्ती उठा ले जाना अगवा ।

अपार—अनंत, असीम, निस्सीम, बेहद, बेशुमार ।

अप्रसन्न—नाराज, उदास, दुःखी, विरक्त, अन्यमनस्क, खिन्न, म्लान; 2. असंतुष्ट ।

अप्रसन्नता—खिन्नता, म्लानता, नाराज़गी, रंजीदगी, असंतोष, उदासी ।

अप्राकृतिक—असहज, असाधारण, अप्राकृत, पैशाचिक, प्रकृति विरुद्ध, अस्वाभाविक ।

अप्रिय—अवांछनीय, बुरा, प्रतिकूल, अचारु, बेमज़ा, नागवार, अरुचिकर, अनचाहा, अप्रीतिकर, विरक्तिजनक, घृणास्पद ।

अप्सरा—1. देवांगना, देवबाला, देववधू, सुरबाला, सुरनारी, सुरसुन्दरी, दिव्यांगना; 2. हूर, परी; 3. सुन्दरी, कामिनी, मोहिनी ।

अफ़सोस—दुःख, खेद, विषाद, शोक, पश्चाताप, गम, म्लानि ।

अब—1. इस समय, अभी, आज; 2. संप्रति, आजकल, इन दिनों; 3. आगे, भविष्य में।

अभयदान—रक्षावचन, सुरक्षादान, सुरक्षण, रक्षण।

अभागा—हतभाग्य, बदनसीब, भाग्यहीन, अभाग्यशाली, मनहूस, बदकिस्मत, मंदभाग्य, दुःखापन्न।

अभाग्य—दुर्दैव, दुर्भाग्य, अदिष्ट, विधिवाम, कुसमय, बदकिस्मती, भाग्यहीनता।

अभाव—कमी, तंगी, टोटा, हीनता, क्षीणता।

अभिनंदन—प्रशंसा, वंदना, नमन, अभिवादन, प्रणाम, प्रार्थना।

अभिनय करना—इंगित करना, हाव-भाव व्यक्त करना, नाटकीय प्रदर्शन, स्वाँग।

अभिनेता—नट, भाँड, नाटक पात्र, मंचनायक, अदाकार पात्र, नायक, छद्मवेशी।

अभिन्नता—ऐकात्म्य, ऐक्य, अभेद, तादात्म्य, सायुज्य, एकात्मता, अनन्यता, पूर्णता।

अभिप्राय—1. तात्पर्य, आशय, विचार, मंतव्य, उद्देश्य, ध्येय, लक्ष्य, प्रयोजन; 2. इरादा, नीयत, मंशा, मुराद; 3. अभिलाषा, इच्छा, आकांक्षा, स्मृहा, कामना।

अभिमन्यु—सौभद्र, पार्थनंदन, पाण्डुपौत्र।

अभिमान—1. गर्व, गौरव, नाज, फख्र; 2. अहंकार, अहमन्यता, दर्प, दंभ, मद, मदांधता, गरूर; 3. अकड़, घमंड, शेखी, डींग।

अभिमानि—गर्वी, दर्पी, दम्भी, घमंडी, अहंकारी, मदांध, गर्वीला, मगरूर, शेखीबाज़।

अभिलेख—शिलालेख, उत्कीर्ण लेख, ऐतिहासिक प्रमाण, लिखित प्रमाण, सुरक्षित विवरण, वृत्तलेख, पुरातत्व ग्रंथ, ऐतिहासिक प्रलेख, तारीखी दस्तावेज़।

अभिवादन—नमस्कार, प्रणाम, सलाम, वंदना।

अभेद्य—अकाट्य, अखंडनीय, अटूट, दृढ़, दुर्मेध।

अभ्यास—1. बार-बार अनुशीलन, पुनरावृत्ति, मशक, दोहराव, रियाज़; 2. स्वभाव, आदत, बान, टेव।

अमर—1. अमर्त्य, मृत्युंजय, अनश्वर, अनादि, दीर्घजीवी, अविनश्वर, अविनाशी, अक्षय, सदाजीवी, अनंत, अमिट, अजर; 2. शाश्वत, नित्य, निरंतर, चिरस्थायी; 3. दिव्य, अलौलिक, देवता, सुर, देव।

अमरुद—पेरुक, अमृतफल, बिही, सफरी।

अमानत—थाती, धरोहर, उपनिधि, न्यास।

अमानतदार—निक्षेपधारी, न्यासी, प्रन्यासी, न्यासधर, न्यायधारी, धरोहर रक्षक।

अमान्य—अस्वीकार्य, अनधिकृत, नामंजूर, अस्वीकृत।

अमावस्या—कुहू, अमा, अमावस, कृष्णपक्ष की अंतिम तिथि।

अमीर—1. कुलीन, अभिजात; 2. धनी, धनवान, संपन्न, धनकुबेर, रईस।

अमीरी—सम्पन्नता, धनबाहुल्य, वैभव, समृद्धि, मालदारी, दौलतमंदी।

अमूल्य—अनमोल, बहुमूल्य, मूल्यवान, कीमती, बेशकीमती।

अमृत—1. जीवित, अमर, अनश्वर, अमर्त्य; 2. सुधा, पीयूष, अमिय, सोम, आबेहयात।

अयोग्य—अक्षम, अनुपयुक्त, अनुपयोगी, नालायक, बेकार, असमर्थ, अगुण सम्पन्न, योग्यताहीन, व्यर्थ, गुणहीन।

अयोग्य ठहराना—अनर्हित ठहराना, अपात्र ठहराना, अक्षम ठहराना, अनुपयुक्त बताना, नालायक सिद्ध करना, गुणहीन सिद्ध करना, बेकार सिद्ध करना।

अयोग्यता—अनर्हता, अपात्रता, अक्षमता, अनुपयोगिता, अपटुता, अदक्षता, गुणहीनता, अनुपयुक्त।

अयोध्या—अवध, अवधपुरी, विमला, साकेत।

अरवी—घुइयाँ, आलुकी, गजकर्ण, अरुई।

अराधना—पूजना, जपना, सुमिरना, स्मरण करना।

अरुचि—जुगुप्सा, घृणा, अप्रीति, विराग, विरक्ति, नापसंदगी, नफरत, विराग, विमुखता, अनिच्छा, ऊब, नीरस, बोर।

अरुण—सूर्य, दिनकर, दिवाकर, भास्कर, दिननाथ।

अर्जुन—धनंजय, कुन्तिसुत, पांडुनंदन, पार्थ, विजयरथ, गांडीवधर, कपिध्वज, सब्यसाचि, धनुर्धर।

अर्थ—1. अभिप्राय, आशय, मतलब, तात्पर्य, अभिमत, प्रयोजन, मायने, इष्ट, हेतु, निमित्त, ध्वनि, मत, भाव बोधगम्यता, उद्देश्य, विवक्षा; 2. धन, संपत्ति।

अर्थहीनता—प्रयोजनहीनता, आशयहीनता, अनर्थकता, धनहीन।

अलंकार—1. आभूषण, भूषण, गहना, ज़ेवर, ज़ेवरात; 2. काव्यालंकार।

अलग—पृथक्, भिन्न, जुदा, न्यारा, अलहदा, विविक्त, विभक्त, असंबद्ध, वियुक्त, विलग, अलग—थलग।

अलगाना—अलग करना, पृथक् करना, वियुक्त करना, असंयुक्त करना, असंबद्ध करना।

अलगाव—विच्छेद, पार्थक्य, अपयोजन, वियोजन, पृथक्करण, पृथक्ता, विलगता, वियोग, बिलगाव, विश्लेष, विभाजन, असंयोजन, बँटवारा।

अलबेला—1. बाँका, छैला, रंगीला, रसिक, रसिया; 2. लुभावना, सुहावना, मनोहर, चित्ताकर्षक, मनोरम, मनोरंजक।

अलसाना—सुस्ती करना, ऊँघना, तंद्रित होना, मंद होना, ठंडा पड़ना, सुस्ताना, झपकना, प्रमत्त होना, उर्नीदा होना, तन्द्रित होना।

अलापना—गीत गाना, गाना गाना, गायन गाना, तराना छेड़ना, स्वरकंपन करना, राग छेड़ना।

अलौलिक—1. असाधारण, अपूर्व, अद्भुत, लोकोत्तर, विलक्षण, विचित्र, अनूठा, अनोखा, असांसारिक, गैर दुनियावी; नैतिक।

अल्प—अप्रचुर, बहुत कम, थोड़ा, नाकाफी, नाममात्र को, न्यून, अत्यल्प, नहीं के बराबर, जरा-सा।

अल्पानुमान—अवमानन, न्यूनानुमान, अल्पमूल्य निरूपण, कम अंदाज़ा।

अवकाश—समय, मौका, छुट्टी, फुर्सत, विश्राम।

अवकाश ग्रहण करना—रिटायर होना, सेवा निवृत्त होना, निवृत्त होना, कर्म त्याग करना, कार्य निवृत्ति ग्रहण करना, अपदस्थ होना, पदच्युत होना, पेंशन ले लेना, काम से हट जाना।

अवकाश प्राप्त—निवृत्त, कर्म विरत, अवसर प्राप्त, पेंशन प्राप्त, रिटायर्ड।

अवज्ञा—अवहेलना, अवमानना, अनादर, निरादर, तिरस्कार, अपमान।

अवनति—अधोगति, अपकर्ष, पतन, हास, उतार, घटाव, गिराव ।

अवमानना—अनादर करना, अपमान करना, निरादर करना, अवहेलना करना, तिरस्कार करना, उपेक्षा करना ।

अवलोकन—निरीक्षण, निरूपण, प्रेक्षण, पर्यवेक्षण ।

अवश्य—जरूर, असंशय, निश्चय ही, निःसंदेह, अनिवार्यतः; लाज़िमी तौर पर ।

अवस्था—आयु, उम्र, वय, दशा, हालत, स्थिति ।

अविवाहिता—युवती, किशोरी, कुमारिका, कुमारी, बाला अल्पवयस्का, कन्या, कुँवारी ।

अविश्वसनीय—अविश्वास्या, अयुक्त, अप्रमाणिक, जाली ।

अवैध—अमान्य, नाजायज़, गैर-क़ानूनी, अवैधानिक, नियम विरुद्ध, असंगत, नीति विरुद्ध ।

अव्यवस्था—क्रमभंग, अनवस्था, अनियमता, अस्तव्यस्तता, अनियंत्रण, गड़बड़ ।

अव्यवस्थित—1. क्रमहीन, बेतरतीब, अनियमित, अस्त-व्यस्त, विपर्यस्त; 2. अटपटा, बेतुका, बेढंगा, बेक़ायदा, बे सिर-पैर का; 3. अट-संट, अड-बंड, उलटा-पुलटा; 4. ऊटपटाँग, ऊलजलूल, अनाप-शनाप ।

अशकुन—अपशकुन, अशगुन, अशुभ, अमंगल ।

अशांति—अस्थिरता, चंचलता, उतावलापन, उकताहट, आकुलता, व्याकुलता, व्यग्रता, असंतोष ।

अशिक्षित—अशिष्ट, अपढ़, अनपढ़, मूर्ख, गँवार, उजड़ड़, अक्खड़, जाहिल ।

अशुद्ध—1. अपवित्र, दूषित, मलिन, अशुचि, सदोष, दोषयुक्त, ऐबदार; 2. ग़लत, त्रुटिपूर्ण, झूठा, मिथ्या ।

अशुभ—1. अशिव, अपशकुन, अमंगल, अकल्याण, अहित, पाप; 2. अपवित्र, अशुचि, मलिन, दूषित ।

अश्लील—अशिष्ट, ग्राम्य, बेशर्म, गंदा, अभद्र, कुत्सित, फूहड़, लज्जास्पद, लज्जाकर, लज्जाप्रद, बुरा, अपकीर्तिकर, ख़राब, शर्मनाक, असंस्कृत, गँवारू, भद्दा, देहाती, ओछा, कमीना, असभ्य, अविनीत, अयोग्य, अनुचित, लचर ।

अश्लीलता—असभ्यता, बेहूदगी, भद्दापन, गँवारपन, अशिष्टता, बेशर्मी, अभद्रता, फूहड़पन, ओछापन, कमीनापन ।

असंतोष—नाराजगी, अतृप्ति, खिन्नता, विराग, अपराग, अनुरक्ति, अभक्ति, अश्रद्धा, असन्तुष्टि ।

असंभव—असंभाव्य, नामुमकिन, गैरमुमकिन ।

असत्य—झूठा, मिथ्या, अवास्तविक, काल्पनिक, बनावटी, जाली, कृत्रिम, कृतक खोटा ।

असफलता—विफलता, असिद्धि, नाकामयाबी ।

असभ्य—अशिष्ट, गँवार, उजड़ड़, अभद्र, अविनीत, दुःशील, असंस्कृत, कुशील, अकुलीन, हीनाचार, असौम्य, अननुग्रही, असंस्कृत ।

असभ्यता—अविनय, अशिष्टता, अभद्रता, ग्रात्यता, गँवारपन, उजड़ड़पन, वन्याचरण, बर्बरता, निष्ठुरता, धृष्टता, प्रगल्भता, ढिठाई, गुस्ताखी ।

असमंजस—दुविधा, उभयसंकट, हिचक, अनिश्चय, उहापोह, कशमकश, किंकर्तव्यमूढ़ता ।

असमान—विषमरूप, विषम, विरोधी, भिन्न, असदृश, असम, अतुल्य, बेमेल ।

अमानता—असादृश्य, असाम्य, वैषम्य, पार्थक्य, पृथकता, विभिन्नता, भिन्नत्व, भिन्नता, भेद, अन्तर, फर्क, विषमता, विभेद, असमता, असदृशता।

असरदार—प्रभावशाली, प्रभावपूर्ण, प्रभावी, फलप्रद, प्रभावोत्पादक, ज़ोरदार।

असली—1. यथार्थ, वास्तविक, तथ्यपूर्ण, यथार्थिक, अवितथ; 2. सच्चा, खरा, असल, सत्य, तात्विक।

असहनशीलता—असहिष्णुता।

असहनीयता—सहिष्णुता, अक्षमता, अक्षन्तव्यता, अमर्षणीयता।

असहमति—आपत्ति, विरोध, एतराज़, हुज़्ज़त, नापसन्दगी।

असहाय—1. अनाथ, निःसहाय, बेकस, यतीम, बेसहारा, निराश्रित; 2. विवश, लाचार, वशीभूत, दीन, मजबूर।

असाधारण—1. अद्वितीय, अन्यतम, अनन्य, अतुल, अतुलनीय, अप्रतिम, बेजोड़, बेमिसाल, बेनजीर, लाजवाब, अनुपम, निरुपम; 2. अनूठा, अद्भुत, अनोखा, निराला, विचित्र, विलक्षण, अजब, अज़ीब, अज़ीबोगरीब; 3. अपूर्व, विशिष्ट, अपने ढंग का, कमाल का, गज़ब का, लाखों में एक; 4. मूर्धन्य, धुरंधर, दिग्गज, सिद्ध, प्रसिद्ध।

असाधारणता—अपप्रकृतत्व, अपसामान्यतया, विसामान्यतया, स्तरच्युति, वैरूप्य, विलक्षणता, अस्वाभाविकता।

असावधान—1. बेपरवाह, लापरवाह, बेख़बर, गाफ़िल; 2. बेहोश, अचेत, प्रमादी।

असावधानी—1. बेपरवाही, लापरवाही, गफलत; 2. अनवधान, प्रमाद, बेहोशी।

असीम—अपरिमित, अमित, अनंत, असीमित, अपार, असंख्य, अकूत, बेहिसाब, बेहद।

असुन्दर—1. कुरूप, बदसूरत, बदशक्ल, बेडौल, भौंडा; 2. अनुपयुक्त, भद्दा, बेतुका, बेढब, बेढंगा।

असुर—दनुज, दैत्य, दानव, दैतेय, इंद्रारि, दितिसुत, सुरद्विष, राक्षस, निशचर, तमीचर, निशाचर।

अस्त—1. तिरोहित, अदृश्य, लुप्त; 2. नष्ट, ध्वस्त; 3. लोप, अदर्शन।

अस्तित्व—1. सत्ता, वजुद; 2. विद्यमानता, उपस्थिति, मौजूदगी।

अस्त्र-शस्त्र—हथियार, आयुध, औज़ार।

अस्थायी—1. अस्थिर, क्षणिक, क्षणभंगुर, अनित्य, नाशवान, फ़ानी; 2. सामयिक, आरज़ी, कच्चा, नापायदार, कागज़ी।

अस्थिर—1. विचलित, विकंपित, डॉवाडोल, डगमग; 2. चंचल, चपल, अधीर, अशांत, गतिमान, चलायमान, कंपायमान, दोलायमान; 3. अस्थायी, क्षणभंगुर, अनित्य, नाशवान।

अस्पताल—औषधालय, रुग्णालय, दवाख़ाना, उपचारगृह।

अस्पष्ट—1. अवाच्य, दुर्वाच्य, अपाठ्य, अव्यक्त, गिचपिच; 2. संदिग्ध, अनियत, अनिश्चित, अनिर्दिष्ट, गोलमाल, डॉवाडोल; 3. अतीन्द्रिय, अप्रत्यक्ष, अगोचर, अलक्ष्य, अगम्य, अविभाव्य, इन्द्रियातीत, इन्द्रियागोचर, धुँधला, धूमिल।

अस्वीकार करना—1. इनकार करना, मना करना, नकारना, न मानना; 2. ठुकरा देना, अनंगीकार करना, ग्रहण न करना; 3. खंडन करना, मुकर जाना, प्रत्याख्यान करना।